वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 108 | रविवार 11 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता दें: केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए: राज्यपाल

आवंटित राशि का समुचित का समुचित सदुपयोग हो: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने, गांव गरीब के लोगों को विकास कार्यों का समयबद्ध लाभ पहुंचाने और कल्याण योजनाओं की राशि का जन हित में समुचित सदुपयोग किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने बाड़मेर जिले में पानी की महत्ता को देखते हुए जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता से करवाया जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने बारिश की एक एक बूंद -बूंद को सहेजने पर जोर देते हुए बाड़मेर रिफाइनरी उत्पादों और खनन क्षेत्र से स्थानीय लोगों के रोजगार सृजन के लिए अधिकाधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे शनिवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर जिला परिषद सभागार में केन्द्र सरकार प्रायोजित योजनाओं एवं अन्य विकास कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे थे। राज्यपाल बागडे ने कहा कि मनरेगा एवं अन्य योजनाओं के बजट का सदुपयोग करते हुए वृहद स्तर जल संरक्षण के कार्य करवाए जाएं' उन्होंने कहा कि गांव का पानी गांव में रहना चाहिए' इसके लिए व्यापक इंतजाम किए जाएं' राज्यपाल ने केन्द्र सरकार प्रायोजित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के समस्त लाभार्थियों के नाम आगामी एक माह में उनके आवास पर प्रदशित करने के निर्देश दिए' उन्होंने राजीविका से जुडी महिलाओं को उनके उत्पादों के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया। उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के के विश्नोई ने राजीविका से जुड़ी महिलाओं को स्थानीय स्तर मेला, हाट बाजार आयोजित करने एवं प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले मेलों में भिजवाने की जरुरत जताई' विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि शिव क्षेत्र के जल जीवन मिशन सर्वे से वंचित गांवों एवं ढाणियों को जोड़ा जाने का आग्रह किया ' चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल समेत अन्य जन प्रतिनिधियों ने योजनाओं के क्रियान्वयन संबंधित सुझाव दिए। समीक्षा बैठक में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने केन्द्र सरकार प्रायोजित योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन से बाड़मेर जिले में आधारभूत सुविधाओं के विकास के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्र में आधारभूत अवसंरचना विकास की स्थिति एवं आवश्यकता, भौगोलिक परिस्थितियों एवं संसाधनों की कमी से प्रभावित क्षेत्र में सामाजिक आर्थिक स्त्र पर सुधार के लिए चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रम, स्थानीय नागरिकों के रोजगार के लिए पलायन रोकने की दिशा में किए गए प्रयासों तथा हिन्दू पाक विस्थापितों की स्थिति एवं उनके उत्थान संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस दौरान विभिन्न विभागीय अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रजेटेंशन के जरिए उनसे संबंधित विकास योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया।

'दर्पण 2.0' डिजाइन प्रदर्शनी का जेकेके में हुआ उद्घाटन

युवा डिजाइनरों और आर्किटेक्ट्स की रचनात्मक संभावनाओं को उजागर करना उद्देश्य; कल आम और खास कर सकेंगे विजिट

जयपुर. कासं। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर के डिजाइन संकाय की ओर से शुक्रवार को जवाहर कला केंद्र, जयपुर में 'दर्पण 2.0' डिजाइन प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। प्रोफेसर (डॉ.) मधुरा यादव, डीन, डिजाइन संकाय, ने दर्पण 2.0 के बारे में जानकारी दी। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड डिजाइन और स्कूल ऑफ डिजाइन एंड आर्ट्स के छात्रों के उत्कृष्ट रचनात्मक कार्यों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का आयोजन प्रतिष्ठित सुदर्शन और सुरेख गैलरियों में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि आर्किटेक्ट तुषार सोगानी, प्रमुख वास्तुकार, टीडीएसपीएल और आई आई ऐ, राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष द्वारा किया गया। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर के प्रो-प्रेसीडेंट डॉ. जवाहर मल जांगिड़ इस कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि रहे। 'दर्पण 2.0', आर्किटेक्चर, इंटीरियर डिजाइन, फाइन आर्ट्स, फैशन डिजाइन, और यू एक्स एंड आई डी के छात्रों को अपनी रचनात्मक क्षमता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य युवा डिजाइनरों और आर्किटेक्ट्स की रचनात्मक संभावनाओं को उजागर करना है, साथ ही अकादमिक क्षेत्र और व्यापक डिजाइन समुदाय के बीच सहभागिता को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर प्रतिभाओं के विकास और राजस्थान की सांस्कृतिक और रचनात्मक परिदृश्य में योगदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान का लहरिया उत्सव 12 अगस्त को

लहरिया उत्सव के पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान के द्वारा दिनांक 12 अगस्त को लहरिया के रंग आजादी के संग कार्यक्रम का आगाज किया जा रहा है। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन एक समारोह में महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र - मृदुला पांड्या ने किया। इस अवसर पर अंचल अध्यक्ष शकुंतला बिंदायक्या, उर्मिला, शीला सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए कामना की।

जिनशासन बनाता भव्यात्मा, पुत्र पुण्यशाली तो रत्नों की जरूरत नहीं: आचार्य सुंदरसागर महाराज

भगवान के जन्मकल्याणक को याद रखेंगे तो कभी दरिद्र नहीं होंगे, सुपार्श्वनाथ पार्क में रविवार को मनाया जाएगा मोक्ष सप्तमी महोत्सव

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। विश्व में सबसे बड़ा वितराग शासन है। तीर्थंकरों के जन्म से पहले ही ही चारों गतियों के जीवों को पता लग जाता है। तीर्थंकरों के कल्याणक व उनकी पूजा देव ही कर सकते है ओर समवशरण लगा सकते है लेकिन वह मुनियों की पूजा नहीं कर सकते है। भगवान महावीर की वीतराग देशना हमे सुनाई दे रही है। इस वाणी को अंगीकार करने से ही मोक्ष प्राप्त होता रहेगा। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक(वषायोग) प्रवचन के तहत शनिवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। आचार्यश्री के सानिध्य में रविवार को मोक्ष सप्तमी महोत्सव जिनशासन की भक्ति करते हुए मनाया जाएगा। प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि आज तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का जन्मदिवस है, भगवान के जन्मकल्याणक को याद रखेंगे तो कभी दरिद्र नहीं होंगे। जिनशासन हमेशा भव्यात्मा ही बनाता है। तीर्थंकर के जन्म से पहले 15 महीने तक देव 14 करोड़ रत्नों की प्रतिदिन वर्षा करते है। तीर्थंकरों के पिता लोभ नहीं करते ओर मुट्ठी भर भरकर रत्नों का दान कर देते है क्योंकि अगर पुत्र पुण्यशाली है तो रत्नों की जरूरत ही नहीं है। उन्होंने कहा कि साधु संतों की सेवा में दान दोंगे तो दुआ ओर साधुता मिलेगी। दुआ कभी पैसो से नहीं बल्कि अर्न्तभावना व साधुओं की सेवा से मिलती है।

नेमीनाथ भगवान का जन्म और तप कल्याणक मनाया

पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण एवं उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज का 48वां वर्षवर्धोत्सव आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। दक्षिणी संभाग प्रताप नगर सेक्टर 8 में चातुर्मासरत पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज के पावन सानिध्य में शनिवार को जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ का जन्म और तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया, चतुर्मास समिति के अध्यक्ष कमलेश बावड़ी के अनुसार प्रातः अभिषेक शांतिधारा के बाद भगवान के जन्म उत्सव के उपलक्ष में सैकड़ों अनाथ बच्चों को भोजन कराया गया, सायंकाल भव्य आरती के उपरांत बच्चों द्वारा उपाध्याय श्री के जीवन चरित्र पर नाटक राहुल से ऊर्जयंत सागर का अभिनय किया गया, चातुर्मास समिति के मुख्य संयोजक जिनेन्द्र गंगवाल जीतू के अनुसार कल जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2801 वा मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज का 48 वा वर्ष वर्धनोत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है इस आयोजन में धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे ।

जय जवान कॉलोनी महिला मंडल ने मनाया शानदार सावन उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

जय जवान कॉलोनी महिला मंडल द्वारा आयोजित सावन उत्सव बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस आयोजन में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेलों का आनंद लिया, जिससे कार्यक्रम यादगार बन गया। महिला मंडल की अध्यक्ष सुलेखा शाह ने कार्यक्रम का सफल आयोजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से समुदाय में एकता और भाईचारे का भाव बढ़ता है। सचिव चित्रा सांघी ने आयोजन की हर छोटी-बड़ी तैयारी को बेहतरीन ढंग से संभाला, जबकि कोषाध्यक्ष मंजू जैन ने वित्तीय प्रबंधन का जिम्मा बखूबी निभाया। उन्होंने इस उत्सव को सफल और यादगार बनाने के लिए सभी सदस्यों की सराहना की। सावन उत्सव ने न केवल पारंपरिकता को जीवित रखा बल्कि समुदाय में खुशी और एकजुटता का भी संदेश दिया।

माहेश्वरी महिला मंडल व माहेश्वरी युवा संगठन की ऐलनाबाद इकाई का गठन

ममता जाजू महिला अध्यक्ष व दिनेश जाजू युवा अध्यक्ष मनोनित

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। आज स्थानीय वार्ड न.9 स्थित दा एजुकेशन हब में माहेश्वरी समाज का एक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे माहेश्वरी महिला मंडल व माहेश्वरी युवा संगठन की ऐलनाबाद इकाई का गठन किया गया।यह जानकारी देते हुए माहेश्वरी समाज के प्रवक्ता नितिन सोमानी ने बताया कि इस कार्यक्रम में माहेश्वरी युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष संयोग माहेश्वरी,प्रादेशिक कोषाध्यक्ष मोहित राठी,राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पंकज माहेश्वरी व माहेश्वरी महिला मंडल की प्रदेश अध्यक्ष सीमा मूंदड़ा, प्रदेश सचिव अनु सोमानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष मंजू भुराड़िया,राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पूनम राठी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।इस कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला मंडल का गठन किया गया जिसमे ममता जाजू को अध्यक्ष व प्रियंका सारडा को सचिव मनोनित किया गया वही माहेश्वरी युवा संगठन का गठन किया गया जिसमे दिनेश जाजू को अध्यक्ष,मुकेश उर्फ मोनू डागा को सचिव, अंकित लखोटिया को कोषाध्यक्ष मनोनित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माहेश्वरी महिला मंडल की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती सीमा मुंधडा ने संगठन की भूमिका व महत्व के बारे में विस्तार से बताया वही माहेश्वरी युवा संगठन के प्रादेशिक अध्यक्ष संयोग माहेश्वरी ने समाज की अनेकों योजनाओं के बारे में बताया।इस अवसर पर माल चांद डागा, पवन जाजू,पवन राठी, विजय करनानी,अनिल मंत्री, मनोज सारडा,रोहित बिहानि, सुरेंद्र जाजू, सुशील मोहता,नीरज सीगची,सुशांत सारडा, सुमित जाजू सहित अनेकों समाज के गणमान्यजन, महिलाओं सहित बच्चे मौजूद थे।

मोक्ष सप्तमी के पावन अवसर पर आज तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की ऐतिहासिक रचना

महावीर की साधना से जीवन का कल्याण संभव: आचार्य श्री शशांक सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरुवर आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में चल रहे 108 दिवसीय भगवान महावीर विधान एवं हवन के पश्चात आयोजित धर्म सभा में मंगल आशीर्वाद देते हुए परम पूज्य गुरुदेव ने कहा कि भगवान महावीर की पूरे मन से की गई आराधना से जीवन जीने का मार्ग आसान हो जाता है इसलिए आपके मंदिर में तो बहुत ही सुंदर और मनमोहक अतिशयकारी प्रतिमा है लेकिन फिर भी हम इधर-उधर विचरण करके अपने कल को खराब कर रहे हैं मेरा आपसे यही अनुरोध है कि भगवान महावीर की आराधना से आपके जीवन का कल्याण निश्चित है इसलिए प्रभु की शरण में पूरी निष्ठा के साथ भक्ति भाव के साथ महावीर के चरित्र को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें ।जिससे हमारे जीवन का कल्याण हो सके। समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि आज परम पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में भगवान पारसनाथ जी का मोक्ष कल्याण पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा प्रातः 7:30 बजे पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में 24 तीर्थंकर तीर्थंकर की प्रतिमाओं को नगर भ्रमण करवाया जाएगा इसके बाद सम्मेद शिखर की बनाई जा रही रचना के टोकों पर सभी प्रतिमाओं को विराजमान कर इंद्र द्वारा अभिषेक कर निर्माण लाडू अर्पित किए जाएंगे। प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य सोधर्म इंद्र सुरेश कनकलता जैन बांदीकुई वाले होंगे ।सम्मेद शिखर रचना के उद्घाटन कर्ता पूरणमल ललिता देवी अनोपडा होंगे। धर्म सभा एवं भगवान महावीर विधान व हवन के सोधर्म इन्द्र ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करने का एवं आचार्य श्री के पाद पक्षालन व शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य विनेश प्रीति सोगानी अनुष्ठा, आरव सोगानी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मंगलाचरण की प्रस्तुति श्रीमती अंजू जैन बी ओ बी ने प्रस्तुत की।

वेद ज्ञान

सभ्य समाज में क्षमा दान का विशेष महत्व

किसी की गलती के लिए उसे क्षमा करना बहुत आसान भी है और कठिन भी। आसान इस मायने में कि क्षमादान से मनुष्यों के बीच तमाम द्वेष-द्वंद्व मिट जाते हैं, जबकि यह कार्य कठिन इसलिए है, क्योंकि हर किसी में क्षमा करने का गुण विद्यमान नहीं होता। क्षमा याचना और क्षमा दान से व्यक्ति कमजोर या दुर्बल नहीं होता, बल्कि ऐसा करने से दोनों ही पक्ष अहंकार की अग्नि में जलने से बच जाते हैं और दोनों पक्षों के बीच आत्मीयता पहले की अपेक्षा और ज्यादा प्रकट हो जाती है। सभ्य समाज में क्षमा याचना और क्षमा दान का विशेष महत्व है। क्षमा में बहुत बड़ी शक्ति होती है। क्षमा मनुष्य की मनुष्य के प्रति कृतज्ञता है, इसलिए क्षमा दान को वीरों का आभूषण कहा गया है। इसी तरह क्षमा याचना से मनुष्य का समस्त अहंकार समाप्त हो जाता है। क्षमा याचना के लिए मनुष्य में अपनी गलती, असफलता और कमजोरी को स्वीकार करने की क्षमता होनी जरूरी है। जैसे-मनुष्य के मुंह से कोई अपशब्द निकल जाए तो वह उसे वापस नहीं ले सकता। मनुष्य के मुंह से निकला अपशब्द धनुष से निकले तीर के समान है, जो सामने वाले के शरीर में घाव करके ही रहेगा। इसलिए जाने-अनजाने में अपशब्द बोलने के उपरांत यदि मनुष्य अपने किए पर शर्मिंदा है तो उसके लिए उसके पास क्षमा याचना के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। क्षमा याचना की सबसे ज्यादा जरूरत व्यक्तिगत जीवन में पड़ती है। असल में प्रत्येक मनुष्य अपने बारे में एक धारणा और विचारधारा बना लेता है और वह उसी के अनुसार व्यवहार करता है। वह मन ही मन यह तय कर लेता है कि लोग उसे किस रूप में देखें, उसके बारे में क्या सोचें और क्या कहें। जब कोई व्यक्ति उसकी स्व-धारणा को ठेस पहुंचाता है तो उसे अप्रिय लगता है। वह यह मानने लगता है कि उसकी स्व-धारणा को आहत करने वाले को उससे क्षमा मांगनी चाहिए। अगर सामने वाला क्षमा मांग लेता है तो उसकी स्व-धारणा पुनः स्थापित हो जाती है वरना वह उस घटना को लंबे समय तक भुला नहीं पाता। ऐसी स्थिति से निकलने का सुझाव देते हुए गुरु गोविंद सिंह जी कहते हैं कि यदि कोई दुर्बल मनुष्य अपमान करे तो उसे क्षमा कर दो, क्योंकि क्षमा करना वीरों का काम है, लेकिन अपमान करने वाला बलवान हो तो उसको अवश्य दंड दो।

संपादकीय

सिसोदिया की जमानत के मायने

आखिरकार दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सर्वोच्च न्यायालय ने जमानत दे दी। हालांकि इसमें कुछ शर्तें भी जोड़ी हैं, पर अदालतों को एक बार फिर नसीहत दी है कि जमानत नियम है और जेल अपवाद। किसी की जमानत सजा के तौर पर नहीं टाली जानी चाहिए। हालांकि यह बात सर्वोच्च न्यायालय पहले भी कई बार कह चुका है, मगर निचली अदालतें इसे गंभीरता से लेती नजर नहीं आतीं। मनीष सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति में भ्रष्टाचार के आरोप में पहले प्रवर्तन निदेशालय और फिर सीबीआइ ने जेल में बंद कराया था। सिसोदिया निचली अदालत से उच्च न्यायालय के बीच अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते और जमानत की अपील करते रहे, मगर किन्हीं तकनीकी कारणों से उन्हें सलाखों के पीछे ही रहने पर मजबूर होना पड़ा। करीब सत्रह महीने उन्होंने जेल में बिताए। जाहिर है, उनकी जमानत से आम आदमी पार्टी में उत्साह का माहौल है। मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि जब एक निर्वाचित सरकार के जिम्मेदार पद का निर्वाह कर रहे व्यक्ति को इतने लंबे समय तक जेल में रहने पर मजबूर होना पड़ता है, तो सामान्य नागरिक के बारे में क्या उम्मीद की जा सकती है। ये सवाल बेवजह नहीं उठ रहे हैं कि आखिर सिसोदिया के सत्रह महीनों का हिसाब कौन देगा। सिसोदिया अकेले ऐसे नेता नहीं हैं, जिन्हें इस तरह सीखचों के पीछे लंबा वक्त गुजारना पड़ा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी जेल में रह चुके हैं। सत्येंद्र जैन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी तक जमानत की आस लगाए हुए हैं। इस मामले में जांच एजंसियों के कामकाज पर गहरे सवाल उठे हैं। दिल्ली आबकारी मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सेना की जमीन खरीद घोटाले के आरोप में हेमंत सोरेन को जांच एजंसियों ने बिना पुख्ता आधार और दोषसिद्धि के लंबे समय तक जेल में डाले रखा। इसमें निचली अदालतों ने भी गंभीरता से विचार नहीं किया कि इस तरह जिम्मेदार पदों का निर्वाह करने वालों को जेलों में डालने से आखिरकार सार्वजनिक महत्त्व के कामकाज बाधित होते हैं। किस मामले में मिली मनीष सिसोदिया को जमानत? कोर्ट में क्या दी गईं दलीलें, पढ़ें पूरी डिटेल किसी को जमानत देने का यह अर्थ कतई नहीं होता कि उसे दोषमुक्त कर दिया गया। उसके खिलाफ लगे आरोपों की जांच तो चलती रह सकती है और दोषसिद्धि पर उसे सजा भुगतनी ही पड़ेगी। इस तरह केवल आरोप और आशंका के आधार पर लोगों को लंबे समय तक जेलों में बंद रखना एक तरह से नाहक सजा देने के बराबर ही माना जाता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सामाजिक और नैतिक रूप से भी महत्वपूर्ण

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को सर्वोच्च न्यायालय में मिली जमानत राजनीतिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय राजधानी के व्यापक समाज ने एक समय मनीष सिसोदिया को भी बहुत उम्मीद के साथ देखा था। नैतिकता के बल से ही वह अपने नेता अरविंद केजरीवाल के साथ एक वैकल्पिक ताकत बनकर उभरे थे। वह लगभग 17 महीनों की जद्दोजहद के बाद जेल से बाहर आए हैं। न्यायालय ने पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद ही दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मामलों में जमानत दी है। दरअसल, पहले ही लगने लगा था कि सिसोदिया को ज्यादा समय तक सलाखों के पीछे रखना जांच एजेंसियों के लिए संभव नहीं होगा। आश्चर्य नहीं कि न्यायमूर्ति बीआर गवई और के वी विश्वनाथन की पीठ ने जमानत याचिका को विचारणीय मानते हुए कहा कि सिसोदिया को अब जमानत मांगने के लिए सुनवाई अदालत भेजना न्याय का मखौल होगा। वास्तव में, यह सिसोदिया के लिए पूरी रिहाई नहीं है, उन्हें आरोप मुक्त होने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ सकता है। हालांकि, यह माना जा रहा है कि सशर्त नियमित जमानत उनकी राजनीतिक ताकत को लौटा लाएगी। प्रवर्तन निदेशालय जमानत से खुश नहीं है, अंततः उसकी कोशिश थी कि सिसोदिया को दिल्ली सचिवालय या मुख्यमंत्री कार्यालय जाने से रोका जाए, पर न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय की याचना पर ध्यान नहीं दिया। अब यह इतिहास में दर्ज हो गया है कि सीबीआई और ईडी ने आखिर तक यही प्रयास किया कि जमानत न हो सके, पर सर्वोच्च न्यायालय पहुंचकर जमानत मांगने की यह तीसरी कोशिश रंग लाई है। वैसे, एजेंसियों को जमानत रोकने पर जोर लगाने के बजाय दोष सिद्ध करने पर जोर देना चाहिए था, अगर पूरे प्रमाण के साथ मुकदमा शुरू हो जाता, तो सिसोदिया का बाहर आना मुश्किल हो जाता। अतः परोक्ष रूप से ईडी व सीबीआई की सुस्त चाल ने सिसोदिया की रिहाई को मुमकिन बनाया। एक पूर्व उप-मुख्यमंत्री को लगभग 17 महीने जेल में रखने के बावजूद सुनवाई और सजा की प्रक्रिया का किसी मुकाम पर न पहुंच पाना चिंता व विचार का विषय है। चिंता इसलिए कि जांच एजेंसियों की ऐसी कार्रवाई पर देश का खूब समय और संसाधन खर्च होता है, पर लोग कोई ठोस धारणा नहीं बना पाते हैं। एक लंबी फेहरिस्त है, ऐसे नेताओं की, जो सनसनीखेज ढंग से फंसे, जेल गए और बाहर निकल आए। एजेंसियां देखती रह गईं। इसी फेहरिस्त में अब एक नया नाम जुड़ गया है। कुल मिलाकर, अभी न दूध का दूध हुआ है और न पानी का पानी। इंतजार करना होगा। यह भारतीय राजनीति के लिए चिंता की बात है। शक की चादर ओढ़े न जाने कितने नेता सक्रिय हैं। गौर कीजिए, तो राजनीतिक बिरादरी भी अपनी पूरी सफाई के पक्ष में नहीं है। सबके पास अपने-अपने दागी हैं, जिनके बचाव की त्रासद राजनीति लोगों और लोकतंत्र के समग्र विश्वास में सेंध लगा रही है। दाग छुड़ाने के बजाय छिपाने की राजनीति अब पीछे छूट जानी चाहिए। देश में विकास की गति बढ़ गई है, तो नेताओं से उम्मीदें भी बढ़ गई हैं, पर क्या जांच व कानून-व्यवस्था लागू करने वाली एजेंसियां देश के साथ कदमताल के लिए तैयार हैं?

तीर्थंकर नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याण मनाया भक्ति भाव से

अभिषेक शांतिधारा के बाद की गई नेमिनाथ स्तोत्र दीप अर्चना

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में प्रातः मूलनायक तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के जन्म व तप कल्याणक पर अभिषेक , शांति धारा के बाद तीर्थंकर नेमिनाथ स्तोत्र दीप अर्चना का कार्यक्रम महिला मंडल द्वारा भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि आज की विशेष शांति धारा का सुअवसर सुशील अजमेरा व शिखर चंद जैन को प्राप्त हुआ तथा दीप प्रज्वलन लक्ष्मी देवी सुशील अजमेरा द्वारा किया गया ।महिला मंडल अध्यक्षा शकुन्तला बिंदायक्या व मंत्री अनिता बिंदायक्या अनुसार नेमिनाथ के जन्म व तप कल्याण के अर्घ्य समर्पित करने के बाद गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी रचित, 48 दीपक से नेमिनाथ स्तोत्र अर्चना की गई जिसमे भक्त जनों ने एक एक श्लोक पर एक एक दीप समर्पित किया । इसके बाद उपस्थित भक्त जनों द्वारा बाईसवे तीर्थंकर की आरती की गई।

विद्यार्थियों ने सीखी जीवन जीने की कला

जयपुर. शाबाश इंडिया। आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर के स्वायसेवकों द्वारा केंद्रीय विद्यालय मानसरोवर के विद्यार्थियों के लिए हेल्थ एंड हैप्पीनेस शिविर का अयोजन किया गया ।कार्यक्रम के दौरान आर्ट ऑफ लिविंग की प्रशिक्षक रुचि शर्मा और अन्य स्वयंसेवकों द्वारा विद्यार्थियों को योग, प्रणायाम और मेडिटेशन का महत्व बताया गया ।विद्यार्थियों ने जाना कि कैसे वह योग के द्वारा अपने अंदर निरंतर सहजता और खुशी को महसूस कर सकते हैं । कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेन्द्र लाल संतानिया मौजूद रहे । बच्चों ने अनुभव बताते हुए कहा कि उन्होंने बहुत ही सहज तरीके से खेल खेल में योग सीखा और विद्यालय के अध्यापकों ने भी कार्यक्रम की खूब सराहना की ।कार्यक्रम के दौरान ऑफ लिविंग वॉलंटियर्स द्वारा बच्चो को योगा मेट भी बांटी गई ।

जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ का मनाया जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चौरू, नारेडा मंडावरी, मेंहन्दवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना के दिगम्बर जैन मंदिरों सहित फागी कस्बे के आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, चंद्र प्रभु नसियां, एवं चंद्रपुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने कार्यक्रम में शिरकत करते हुए अवगत कराया कि कार्यक्रम में फागी कस्बे में विराजमान आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में आज कस्बे के प्राचीन मंदिर आदिनाथ जिनालय मे प्रातः श्री जी का अभिषेक, महाशांतिधारा के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना करने के बाद पंचपरमेष्ठी भगवान सहित सभी नवदेवताओं की पूजा कर सभी पूवार्चायों के अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई, साथ ही जैन धर्म के22 वें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से जयकारों के अर्घ्य अर्पित कर लाडू चढाया गया, कार्यक्रम में समाज सेवी केलास कासलीवाल एवं विरेन्द्र दोषी ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में महावीर कुमार, मनीष कुमार, मुन्ना अजमेरा ने बोली के माध्यम से श्री जी को प्रथम पालना झुलाने का सौभाय प्राप्त किया, बाद में सारे सकल जैन समाज ने श्री का पालना झुलाकर धर्म लाभ प्राप्त किया, इसी कड़ी में सभी महिलाओं ने मंगलगीत गाते हुए पालना झुलाकर धर्म लाभ प्राप्त किया, इसी कड़ी समाज के सुरेश सांघी एवं सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा ने अवगत कराया कि रविवार 11 अगस्त को कस्बे के बीचला मंदिर में आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ की साजो सज्जा के साथ विधान पूजा कर सामूहिक रूप से पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव का निर्वाण लाडू हर्षोल्ल्लास पूर्वक चढ़ाया जाएगा,इस मौके पर शाश्वत तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की सजीव रचना की जायेगी।कार्यक्रम में फागी के पूर्व सरपंच ताराचंद जैन, कपूर चंद नला,समाज के संरक्षक प्रेमचंद भंवसा, सोहनलाल चोधरी,केलास कासलीवाल, महावीर प्रसाद झंडा,सुरेश सांघी,सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, प्रेमचंद कठमाना, पंडित केलास कड़ीला, विरेन्द्र दोषी,ओमप्रकाश कासलीवाल,शांति लाल मित्तल, सुरेंद्र चौधरी, विरेन्द्र नला,संतोष बजाज,राजेश छाबड़ा, शिखर गंगवाल,एडवोकेट रवि जैन, ललित कासलीवाल, अनिल कासलीवाल, भाविक कासलीवाल, आदि कासलीवाल,राजाबाबू गोधा तथा समाज की,प्रेमदेवी दोषी,कमला कासलीवाल, मैना देवी गंगवाल, मुन्ना अजमेरा, चित्रा गोधा,मनभर कासलीवाल, राजकुमारी दोषी,रेखा मित्तल, मंजू छाबड़ा, मनीषा कडीला,उषा चोधरी, सुनिता चोधरी , टीना मोदी,पिंकी मांदी, आभा मांदी,सीमा कासलीवाल, मंजू सेठी तथा रोनिका नला सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

राजाबाबु गोधा जैन महासभा मीडिया प्रवक्ता राजस्थान

समन्वय सद्भावना संगठन दिगम्बर जैन महासमिति

दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान

सावन में बारिश छतराई -लहरियां रो रँग पावन बरसाई

लहरियें के रंग तिरंगे के संग

सावन

सोमवार, दिनांक 12 अगस्त, 2024
स्थान: गोकुल गाँव, सीकर रोड़, जयपुर

समय : दोपहर 12.30 बजे से सायं 6.00 बजे तक

सावन की फुहार-घटाओ में रँग बरसे

कार्यक्रम में दिए जाएंगे बहुत सारे आकर्षक पुरस्कार

लहरिया क्वीन
बेस्ट डांस और सरप्राइज गिफ्ट
सावन की रानी
लकी ड्रॉ
चटपटी रंग बिरंगी हॉउजी

सहयोग राशि ₹250/-

महासमिति महिला अंचल राजस्थान परिवार एवं सम्पूर्ण सावन माह प्रिये सदस्य इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर के इस कार्यक्रम को भरपूर खुशियों से सजाकर आनंदित होंगे.

संयोजकगण..
श्री विमल जूनावाला • श्री संजय जैन • श्री इन्द्र जैन • श्री महावीर विनायक्या • श्री रमेश गंगवाल •श्री अशोक जैन-चाकसू
श्री राकेश गोदिका • श्री प्रवीण जैन-चाकसू
श्री नीरज जैन • श्री पवन जैन • श्री धीरज जैन
श्री मनीष सौगानी •श्री नरेश जैन • श्री अशोक सिंघल-चाकसू
श्री अशोक जैन-टोंक • श्री पवन जैन - टोंक

दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान
एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य

अध्यक्ष
शकुन्तला बिन्दायक्या
95294-21053

मंत्री
सुनीता गंगवाल
80058-78352

कोषाध्यक्ष
उर्मिला जैन
94134-90487

लहरियें के रंग तिरंगे के संग

गौरवमयी उपस्थिति
श्री सुरेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति
श्री अनिल जी जैन IPS
अंचल अध्यक्ष- दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान

समारोह अध्यक्षता
श्रीमती शकुन्तला जी बिन्दायक्या
अध्यक्ष : महिला अंचल राज.-दिगम्बर जैन महासमिति

श्री महावीर बाकलीवाल
अंचल महामंत्री- दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान

झण्डारोहणकर्त्ता
श्रीमती शशी जी - श्री अतुल जी सौगानी

दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता
श्रीमती मृदुला जी सुरेन्द्र जी पाण्ड्या

मुख्य अतिथि
श्री संगीता जी अजमेरा • श्रीमती शशी जी जैन • श्रीमती रेखा जी जैन

पुरस्कार वितरणकर्त्ता
श्री आशा जी पापड़ीवाल
श्रीमती मीरादेवी जी जैन-चाकसू

विशिष्ट अतिथि
श्री पदम चन्द जी बिलाला
श्रीमती कान्ता जी अशोक जी रांवका
श्री पदमचन्द जी जैन खोरावाले
श्री नवीन जी जैन, मित्रपुरा • श्रीमती राज जी चौधरी- जनकपुरी

निर्णायकगण
श्रीमती शशी सेन जी जैन
श्रीमती अंजू जी अजमेरा

...आगन्तुक अतिथिगण...
श्री यशकमल जी अजमेरा • श्री राजेश जी बड़जात्या • श्री प्रदीप जी जैन • श्री नरेश जी बंसल
श्री विनोद जी जैन कोटखावदा • श्री प्रकाश जी पाटनी • श्री रुपेन्द्र जी जैन • श्री विनोद जी जैन पापड़ीवाल

इकाई-1
श्रीमती शकुन्तला बिन्दायक्या •श्रीमती सुनीता गंगवाल • श्रीमती उर्मिला जैन • श्रीमती सुनीता अजमेरा • श्रीमती रचना बैंद
श्रीमती शीला सेठी • श्रीमती सरोज जैन •श्रीमती अलका सेठी • श्रीमती अनिता बिनायक्या • श्रीमती सुलोचना पाटनी • श्रीमती अर्चना जैन
श्रीमती बीना शाह • श्रीमती मीना चाँदवाड़ • श्रीमती चित्रा जैन • श्रीमती पूनम जैन • श्रीमती सुनीता भोंच • श्रीमती स्नेहलता जैन
इकाई-2 श्योपुर - श्रीमती नीतू जैन, श्रीमती पिंकी जैन • इकाई-3 सांगानेर - श्रीमती राजेश सौगानी, श्रीमती अनिता जैन
इकाई-4 कल्याण नगर - श्रीमती अंजली जैन, श्रीमती शैली धाड़का • इकाई-5 निवाई - श्रीमती शशी जैन, श्रीमती उर्मिला सौगानी
इकाई-6 गोंली - श्रीमती हेमलता सौगानी, गुणमाला जैन • इकाई-7 मित्रपुरा - श्रीमती पुष्पा जैन, श्रीमती अमिता जैन
इकाई-8 टोंक - श्रीमती सरोज जैन, श्रीमती रेखा पाटनी • इकाई-9 माधोपुर - श्रीमती सुनिता टोंग्या, श्रीमती वर्षा जैन
इकाई-10 चाकसू - श्रीमती रितिका सिंघल, श्रीमती रिंकल सौगानी • इकाई-11 बगरु - श्रीमती इना पाटनी, श्रीमती प्रियंका जैन
इकाई-12 अजमेर - श्रीमती रुप जैन, श्रीमती अनुभा जैन • इकाई-13 प्रताप नगर - श्रीमती दीपा जैन गोधा, श्रीमती प्रज्ञा जैन
इकाई-14 महावीर जी - श्रीमती सुधा जैन, श्रीमती सोनू पाटनी इकाई-15 • उनियारा - श्रीमती सोनू पाटोदी, श्रीमती ज्योति जैन
इकाई-16 अलीगढ़ - श्रीमती खुशी जैन, श्रीमती सुनीता लुहाड़िया • इकाई-17 मुरलीपुरा - श्रीमती सुनीता रांवका, श्रीमती निशा जैन
इकाई-18 बनेठा - श्रीमती आशा जैन, श्रीमती अनिता पाटनी • इकाई-19 विजय पथ, मानसरोवर - श्रीमती रत्ना सौगानी, श्रीमती चन्द्रप्रभा पाटनी

विकाश या विनाश : ब्रह्मचारिणी डॉक्टर चंद्रप्रभा जैन

आधुनिकता एवं नवीनीकरण के चलते दौर में मनुष्य अपनी मानवीय आवश्यकताओं को भी नजर अंदाज करता जा रहा है। तात्कालिक लाभ की ओर दृष्टि है परंतु दूरदर्शिता का अभाव नजर आ रहा है। मैं प्रत्येक भारतीय बुद्धिजीवी मनुष्यों का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी ।मेरा सबसे प्रश्न है? आपने भविष्य के बारे में क्या सोचा है? आधुनिक रीति से जिस तरह साज- सज्जा सौंदर्य करण किया जा रहा है क्या आप सब उसके पीछे छिपे हुए विनाशकालीन स्थिति को देख पा रहे हैं या उसे नजरअंदाज कर रहे हैं अथवा आंखें मूंद रखी है ।सड़क निर्माण योजना के अंतर्गत देखा जा रहा है की संपूर्ण सड़क पर डामर बढ़ा दी गई है इतना ही नहीं वृक्षों के आसपास भी डामर बिछा दी गई है ।इसके इर्द-गिर्द भी मिट्टी नहीं छोड़ी ,जरा विचार कीजिए वृक्षों की जड़ों को मिट्टी में पानी कहां से पहुंचेगा ? कालांतर में यहां की मिट्टी शुष्क होती चली जाएगी। हवा का एक तेज झोंका आएगा वृक्ष धराशाही हो जाएंगे। अतः यह एक विचारणीय विषय है साथ ही सजगता के साथ ठोस निर्णय लेकर कार्य करने का उचित समय है। पानी का बहाव सदैव ढलान की ओर सीधा होता है यह मात्र सड़कों के किनारे बनाई गई छोटी-छोटी जालियों में से बेहकर जाना असुरक्षित एवम असंभव है, अर्थात सड़कों पर बाढ़ का दृश्य देखने को मिलता रहेगा, क्योंकि पानी के बहाव के साथ कचरा भी बेहकर जाता है जो नाली की जालियों के छिद्रों को रोक देता है जिससे पानी पूर्ण बहाव के साथ उसमें से नहीं जा सकता बारिश होने के बाद भी गर्मी का अभाव नहीं होगा क्योंकि मिट्टी में पानी पहुंचा नहीं ,नमी कहां से आएगी? सड़कों के नीचे दबी मिट्टी के दोनों किनारों पर बड़े और गहरे जालीनुमा ठोस आधार के साथ तकनीकी के माध्यम से ऐसे ब्रूश वाली जालियां लगाई जाए जिससे कचरा बाहर ही बेहकर आगे बढ़ जाए और पानी वही की मिट्टी से पहुंचता जाए जिससे वृक्ष आदि को पर्याप्त पानी पहुंच सके ।मिट्टी को शुष्कता से बचाया जा सके और आने वाले भूकंप आदि आपदाओं से भी मनुष्य आदि सभी जीव जाति की सुरक्षा संभव हो सकेगी इतना ही नहीं सड़क किनारे अथवा अनयंत्र भी सीमेंट की भूमिगत होद(टेक)बनाकर वर्षा का जल संरक्षण कर सकते हैं अतः प्रत्येक के लिए यह विचारणीय बिंदु है। आज ऐसी स्थिति दिखाई दे रही है पशु पक्षी प्यास एवं गर्मी शांत के लिए इधर-उधर दृष्टि दौड़ाए तो उन्हें पीने के लिए एवम ठंडक पाने के लिए कहीं कोई होद, तालाब , कुआ ,बावड़ी, झरना नदी देखने तक नहीं मिलती अतः मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाले मिट्टी ,जल, हवा अग्नि ,और वनस्पति आदि का संरक्षण और संवर्धन नहीं किया तो निश्चित समझना 10 वर्ष बाद इस सृष्टि पर त्राहिमाम की मांग होगी अभी उचित समय है जागृत होने का प्रकृति के पंचभूत तत्व हमारा उपकार करते हैं ,हमें भी उनका संरक्षण कर उसका आभार व्यक्त करना चाहिए। जयपुर की मिट्टी अत्यंत उपजाऊ और कीचड़ रहित है सारे जल को स्वयं ग्रहण करने की शक्ति रखती है साथ ही जड़ी बूटियां को उत्पन्न करती है लीवर की परम औषधि भूमि आंवला आदि जैसी अनेक गुणवंता वाली औषधियां इसी मिट्टी से उत्पन्न होती है अतः सभी भारतवासी एवं जयपुर निवासियों से निवेदन है कि मेरे विचार से अवश्य सहमत होकर उन अनुभव ठोस कार्यवाही करने के उपक्रम करेंगे। मनुष्य को मनुष्य की चिंता हो रही है उनकी प्यास शांत करने के लिए जल सेवा कर रहे हैं लेकिन जमीन में ढलने वाली जल की बूंदो का दुरुपयोग हो रहा है, वह पत्थर पर गिरकर सूख रहा है पत्थर के नीचे दब गई मिट्टी तक नहीं पहुंच पा रही है इसीलिए मेरा सबसे निवेदन है घरों, दुकानों, मॉल, सड़क ,रेलवे स्टेशन आदि सभी स्थानों के किनारो पर मिट्टी अवश्य छोड़ना चाहिए वहां पर सीमेंट ना करें ताकि सभी स्थानों की सुरक्षा हो सके। **संकलन : मीना जैन चौधरी**

लहरिया उत्सव धूमधाम से मनाया

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। वैशाली नगर की महिलाओं के द्वारा ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली में लहरिया उत्सव मनाया गया। उर्मिला पाटनी ने बताया की कार्यक्रम में सबसे पहले भक्तामर स्त्रोत और णमोकार का पाठ किया गया। उसके बाद में वहां पर तरह-तरह के गेम और हाउजी खेली गई। शांता काला ने बताया की सभी महिलाओं ने झूले झूले,मौसम का आनंद लिया और अंत के भोजन का लुफ्त उठाया।

व्यसन करने से जीवन में दुर्गति होती है...

नौगामा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य विज्ञान मति माताजी की शिष्या पवित्र मति माताजी का नौगामा नगर में चतुर्मास चल रहा है चातुर्मास में आज प्रातः 1008 भगवान आदिनाथ मंदिर 1008 समवशरण मंदिर सखोदव तीर्थ मे विशेष शांति धारा अभिषेक हुई इसके उपरांत माताजी का मंगल प्रवचन हुआ। मंगल प्रवचन में माता जी ने कहा कि व्यसन करने से जीवन की दुर्गति होती है आजकल यह देखा जा रहा है कि युवा पीढ़ी बुरे व्यसन में लिप्त है जिससे आर्थिक हानि साथ-साथ शारिक हानि होती है एवं शरीर में बीमारियों का घर बन जाता है अल्प आयु में मृत्यु का कारण बनता है इसलिए हमें व्यसन से बिल्कुल दूर रहना है उन्होंने कहा कि भोग रोग का कारण है हमें विवेकपूर्ण भोजन करना है सबसे ज्यादा विषय भोग जीब के द्वारा होता है माताजी ने कहा कि रविवार 11 तारीख को मुकुट सप्तमी 23वें तीर्थंकर भगवान पारसनाथ का निर्वाण दिवस है हमें बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाना है उस दिन प्रातः मंदिरजी में विशेष शांति धारा अभिषेक के बाद पंडाल में सामूहिक रूप से शांति धारा होगी शांति धारा के बाद सम्मेद शिखर विधान का आयोजन होगा 72 पात्रों द्वारा बड़े भक्ति भाव से वाध्य यंत्रों की मधुर स्वर लहरों के साथ माता जी के द्वारा अध उच्चारण द्वारा श्रद्धालुओं द्वारा अध चढ़ाऐ जाएंगे जिसमें विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी अभिषेक शास्त्री सागर के दिशा निर्देशन में विधान का आयोजन होगा विधान के द्रव्य पुनाजक गांधी किरीट कुमार जयंतीलाल बांसवाड़ा का सौभाग्य प्राप्त हुआ आज प्रवचन के दौरान अरथूना नगर से जैन पाठशाला के सो बालक बालिकाओं द्वारा एवं उनके साथ पधारे यतेंद्र द्वारा माता जी के दर्शन किऐ एवं श्रीफल भेंट किया गया।

पंच तीर्थ जिनालय बापूनगर पर भक्ति भाव से मनायेंगे मोक्ष सप्तमी

जयपुर. शाबाश इंडिया

बापू नगर स्थित पंचतीर्थ जिनालय पर भक्ति भाव से मनायेंगे मोक्ष सप्तमी। तैवीसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के महामंगल कारी मोक्ष कल्याणक महोत्सव (मोक्ष सप्तमी) के अवसर पर पंडित टोडरमल स्मारक भवन के पंच तीर्थ जिनालय पर स्थित भगवान पार्श्वनाथ की मोक्षस्थली श्री सम्मेद शिखर पर्वत पर स्वर्ण भद्र कूट स्थित पार्श्वनाथ स्वामी की भव्य खड्गासन प्रतिमा के समक्ष पूजा विधान के साथ में मोक्षफल चढ़ाया जायेगा। स्मारक भवन के प्रवक्ता हीरा चन्द बैद ने बताया कि प्रातः सात बजे से आठ बजे के मध्य श्रीजी की प्रक्षाल,पूजा एवं यहां चल रहे श्री प्रवचनसार महामंडल विधान का समापन होगा। आठ बजे निर्वाण कांड के संगीत मय सस्वर पाठ के बाद में सामूहिक रूप से निर्वाण श्री फल चढ़ाया जाएगा।डा. शान्ति कुमार पाटील प्रवचन सार विधान का अर्थ समझायेंगे व मोक्ष सप्तमी के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करेंगें।

कीकर पेट रोगों को ठीक करने की क्षमता रखता है...

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे हैं, जो स्वास्थ्य के लिहाज से काफी फायदेमंद मानी जाती हैं। इन्हीं में से एक है कीकर का पेड़ ये पेड़ स्वास्थ्य के लिहाज से खास उपयोगी माना जाता है। बता दें कि कीकर राजस्थान का एक जंगली पेड़ है जो रेतीले धोरों में भी आसानी से उग जाता है। यह राजस्थान का देशी पेड़ भी कहलाता है। यही नहीं कीकर की लकड़ी जलाने के लिए भी बहुत अच्छी होती है। यह राजस्थान में जलाऊ लकड़ी का एक प्रमुख स्रोत है।ग्रामीण रामकुमार बिस्सा ने बताया कि कीकर की फली का पाउडर बनाकर दवाई बनाने के काम आता है। अगर पेट दर्द होता है इसका पाउडर लेने से पेट दर्द ठीक होता है। कीकर की पत्तियां, फली और छाल का प्रयोग पशुओं के चारे के तौर पर किया जाता है। प्रोटीन, फाइबर और अन्य पोषक तत्व होने के कारण ये पशुओं के लिए बेहद लाभकारी है। इसके सेवन से पशुओं का दुग्ध उत्पादन बढ़ता है। लकड़ियों का प्रयोग फर्नीचर बनाने और ईंधन के रूप में किया जाता है। इसकी लकड़ी पर दीमक का असर नहीं देखने को मिलता है। दीमक प्रतिरोधी होने के कारण ये लकड़ी बाजार में अच्छे भाव पर बिकती है।

इसमें होते है कई सारे औषधीय गुण: नोबल आयुर्वेद क्लिनिक के चिकित्सक ने बताया कि कीकर के पेड़ के कई सारे औषधीय गुण हैं। इसका प्रयोग कई तरह की बीमारियों से बचाव में किया जाता है। यह एंटीऑक्सिडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी यौगिकों और एंटीमाइक्रोबियल होता है। इसकी छाल और पत्तियां कई बीमारियों से बचाव में काम आती हैं। डायबिटीज, लूज मोशन, बुखार आना, इम्यून सिस्टम बढ़ाने में कीकर का पेड़ काम आता है।

चरक जयंती के उपलक्ष्य में निशुल्क मधुमेह चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन संपन्न हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजकीय आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध राजकीय आयुष एकीकृत चिकित्सालय प्रताप नगर, जयपुर में कॉलेज प्राचार्य एवं अधीक्षक डॉ.(प्रो.) कामिनी कौशल के नेतृत्व में निशुल्क मधुमेह चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन दिनांक- 10 अगस्त2024 को किया गयो शिविर में 67 रोगी लाभान्वित हुए। शिविर में रोगियों को निशुल्क औषध वितरण, शुगर जांच, परामर्श एवं स्वस्थ जीवन शैली के बारे में बताया गया। डॉ.भारती बांदिल , डॉ राहुल पाराशर,कैंप प्रभारी- डॉ.मीना मीनू बनवारी लाल, डॉ.मोनिका शर्मा एवं अन्य स्टाफ सदस्य द्वारा सेवाएं प्रदान की गई।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन

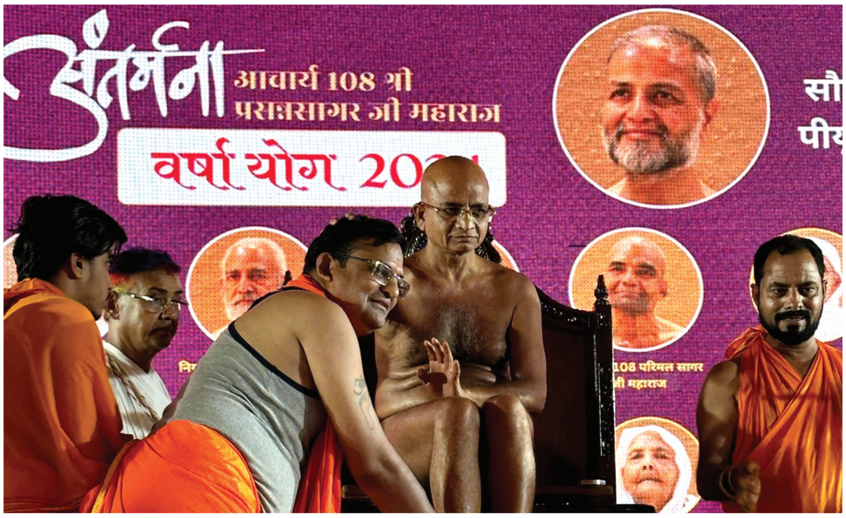

कुलचाराम हैदराबाद। मैं वही कार्य करता हूं जो मुझसे होता नहीं है... इसलिए करता हूं ताकि मैं सीख सकूं कि इसे कैसे करना चाहिए..?

बात की गहराई को समझिये-यह बहुत जरूरी है कि आप अपनी गलतियों से क्या सीखते हैं, क्या ग्रहण करते हैं, और क्या निर्णय लेते हैं? गलतियां हर शुरूआत करने वाला करता है। लेकिन सफल लोग उसे पहचानते हैं, और उन्हें जल्दी ठीक करते हैं। असफल लोग गलतियाँ करने का जोखिम नहीं उठा सकते। जब आप असफल होते हैं तो शर्मिंदा होते हैं और जब आप सफल होते हैं तो गर्व महसूस करते हैं। दरअसल जब आप शर्मिंदा होते हैं तो खुद को ही गलत साबित कर रहे होते हैं। जब आप अपनी गलतियों से सीखते हैं तो सहज ज्ञान प्राप्त करते हैं। असफलताएं ऑब्जर्वेशन होती है। यह उस बारे में नहीं है कि भविष्य कैसा होगा? उस बारे में है कि भविष्य कैसा होना चाहिए? अगर असफल नहीं हो रहे हैं, इसका मतलब है - आप कुछ नया नहीं कर रहे, क्योंकि दूसरों के बनाए रास्ते पर चलना बहुत आसान है लेकिन खुद का नया रास्ता बनाना और लोगों को रास्ता दिखाना बहुत कठिन है। यदि आपको कोई बात चुभ रही है तो आप उस चुभन की डीप में जायें और खुद से पूछे क्यों? और फिर सफलता के शिखर पर पहुँच जायें। क्योंकि गलती उसी से होती है जो मेहनत करता है। अन्यथा निठल्लों और निकम्मों की ज़िन्दगी तो दूसरों की कमी खोजने और आलोचना करने में खत्म हो जाती है।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380
दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन इन्जीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर के सामाजिक सरोकार कार्यक्रम अन्तर्गत बाल सम्बल आश्रम में भ्रमण एवं सहयोग

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन इन्जीनियर्स सोसायटी जयपुर साऊथ चैप्टर के 40 सदस्यीय दल ने सामाजिक सरोकार कार्यक्रम के अन्तर्गत इंजी. पी सी छाबडा (महा सचिव, जेस फाउंडेशन), इंजी. डी के जैन (अध्यक्ष), इंजी. पी के जैन (सचिव) एवं इंजी. बी पी जैन (संयुक्त सचिव) के नेतृत्व में जयपुर से लगभग 50 किमी दूर जयपुर दिल्ली राज मार्ग के पास स्थित बाल सम्बल - बाल विकास एवं अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। भ्रमण दल का संस्थान के अध्यक्ष पंचशील जैन, महामंत्री आतिश लौढा, मैनेजर मेवाराम गुर्जर, कार्य. सदस्य श्रीमती पायल ओझा, श्योजीराम बुनकर एवम समस्त छात्रों द्वारा स्वागत किया। संस्थान के समस्त पदाधिकारियों ने संस्थान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने बताया कि संस्थान में वर्तमान में लगभग 105 अनाथ एवं असहाय बच्चों को निशुल्क शिक्षा, प्रकृति और सामर्थ्य अनुसार कौशल एवं रहने की सुविधा प्रदान की जा रही है तथा इन्हें अच्छे संस्कार देकर स्वावलंबी भी बनाया जा रहा है। संस्थान के विस्तृत भ्रमण एवं गतिविधियों के अवलोकन और छात्रों द्वारा अपनी कला प्रदर्शन के उपरांत दल ने बच्चों के साथ भोजन का आनंद उठाया। अंत में संस्थान के पदाधिकारीयों को धन्यवाद ज्ञापन एवं संस्थान की सहायतार्थ राशि ₹1,01,000/ का सहयोग प्रदान करने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भगवान नेमीनाथ जन्म-तप कल्याणक महोत्सव, श्रावकाचार विचार संगोष्ठी एवं सांगानेर संभागीय मीटिंग सम्पन्न

पंवालिया, सांगानेर. शाबाश इंडिया। 10 अगस्त 2024 को नेमीनाथ अतिशय क्षेत्र पंवालिया में 22 वें तीर्थकर नेमीनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक के सुअवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग एवं पंवालिया अतिशयक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में अनेक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। प्रातः जिनेन्द्र अभिषेक- शान्ति धारा की गई। धोरे वाले नेमीनाथ भगवान का प्रथमाभिषेक सुरेन्द्र कुमार झांझरी परिवार, प्रथम शान्तिधारा श्रीमती मधु जैन परिवार एवं द्वितीय शान्तिधारा करने का सौभाग्य पण्डित कैलाशचन्द मलैया परिवार को मिला। अल्पाहार के पश्चात ?श्रावकाचार विचार संगोष्ठी? का आयोजन पण्डित कैलाशचन्द्र मलैया की अध्यक्षता, महावीर प्रसाद जैन पूर्व ओएसडी सीएम राजस्थान के मुख्य आतिथ्य एवं मूलचन्द पाटनी के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम श्रावकाचार वर्ष के मुख्य संयोजक एवं सांगानेर संभाग के अध्यक्ष

कैलाशचंद्र मलैया ने श्रावकाचार का स्वरूप एवं श्रावकाचार वर्ष संबंधी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राजस्थान अंचल द्वारा घोषित श्रावकाचार वर्ष में श्रावकाचार संकल्प पत्र, तीर्थ यात्रा, विधान, संगोष्ठी, ऑनलाइन तत्वार्थसूत्र कक्षा, चिकित्सा शिविर, योग - प्राणायाम, पौधारोपण, गौ ग्रास, पानी परिंडा, संस्कार शिविर आदि गतिविधियां संचालित की जा रहीं हैं। तत्पश्चात डॉ. अरविन्द कुमार जैन महामंत्री ने श्रावकाचार की वर्तमान में उपयोगिता पर विचार रखे। उन्होने कहा कि जैन तीर्थों पर कब्जा, बंगलादेश की अराजकता आदि ने सबको हिलाकर रख दिया है। ऐसे में परिवार, समाज, धर्म एवं देश की रक्षा का समाधान श्रावकाचार में से कैसे निकलेगा- ये विचारणीय विन्दु हैं। हमें ऋषभदेव द्वारा प्रतिपादित षट्कर्म और अहिंसा को समझना होगा। इसके पश्चात सभी इकाईयों ने अपनी इकाई की त्रिमासिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें प्रतापनगर सेक्टर -3 के अध्यक्ष सुरेन्द्रकुमार झांझरी, सेक्टर-17 के मंत्री लवनेश बगड़ा, रेनवाल मांजी से मंत्री महावीर झांझरी, चौमूंबाग अध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार जैन आदि सम्मिलित थे। सभी इकाईयों ने श्रावकाचार संबंधी गतिविधियां आयोजित करने का निर्णय लिया।

पिम्स राजस्थान एकेडमिक अवॉर्ड में प्रतिभाशाली स्टूडेंट हुए सम्मानित

वीआईएफटी कॉलेज सभागार में खुशी से झूमे स्टूडेंट्स

उदयपुर. शाबाश इंडिया

दक्षिण राजस्थान के प्रतिष्ठित वीआईएफटी कॉलेज की ओर से राज्य स्तरीय पिम्स राजस्थान अकेडमिक अवार्ड में विद्यार्थी - शिक्षक सम्मान समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। इसमें 400 से अधिक विद्यार्थियों सहित बेस्ट टीचर्स का सम्मान किया गया। इस दौरान कॉलेज स्टूडेंट्स ने नृत्य, नाटक, रैम्प वॉक करके कार्यक्रम को रोचक बना दिया। संघ चेयरमेन आशीष अग्रवाल ने बताया कि अगले वर्ष इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन की योजना है। कॉलेज में हुए पिम्स राजस्थान अकेडमिक अवार्ड में बारहवीं कक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले तथा अंग्रेजी व गणित में 85 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों सहित उल्लेखनीय योगदान करने वाले शिक्षकों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर सहशैक्षणिक गतिविधियों में विशिष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का भी अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ रंगकर्मी विलास जानवे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं, अतिथि प्रोफेसर श्रीनिवासन अय्यर ने कॉलेज प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों का निःस्वार्थ भाव से भविष्य उज्वल बनाने के लिए प्रयास करते हैं उनका सम्मान करना सौभाग्य की बात है। कार्यक्रम की रूपरेखा निर्धारण में वीआईएफटी डायरेक्टर डॉ. रिमझिम गुप्ता व प्रिंसिपल विप्रा सुखवाल की महती भूमिका रही। वहीं, विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक और सह शैक्षणिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करने में देवर्षि मेहता, सावन दोसी, निशात परवीन, डॉ. ज्योति कटारिया, ज्योति शर्मा, उर्मिला सोलंकी, अनुराधा जैसवाल, मिताली भावनानी, रौनक वर्मा व भरत साहू ने सहयोग किया। संचालन डॉ. नरेंद्र गोयल एवं ज्योति कटारिया ने किया। फोटो/वीडियो रिकॉर्डिंग में दीपक सिंघल और अभिषेक पंवार ने सहयोग दिया।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'

22वें तीर्थंकर भगवान श्री नेमीनाथजी का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

शनिवार 10 अगस्त 2024, जयपुर के नजदीक आमेर की सुरम्य वादियों में स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर नेमीनाथ (सांवला जी)आमेर मे अति प्राचीन मूलनायक 1008 भगवान श्री नेमीनाथ जी का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। क्षेत्र के संयुक्त मंत्री उमराव मल संघी ने बताया कि इस शुभ अवसर पर अभिषेक ,शांतिधारा के उपरान्त भगवान श्री नेमीनाथ जी की पूजा अर्चना कर जन्म एवं तप कल्याणक के अर्घ चढाये गये । कार्यक्रम मे क्षेत्र कमेटी के वरिष्ठ सदस्य नरेश कुमार सेठी, संयुक्त मंत्री उमराव मल संघी, संयुक्त मंत्री प्रदीप कुमार जैन ,क्षेत्र की अन्य मन्दिरान समिति के सदस्य योगेश टोडरका , प्रदीप ठोलिया, सहित मणीभद्र पापडीवाल, श्रीमती कुसुम संघी, श्रीमती आशा जैन, नवीन अजमेरा, अनिल चांदवाड,एवं बैंक आफ बड़ौदा के सेवानिवृत्त जैन अधिकारी ग्रुप के पुरूष- महिला आदि धर्माबलम्बी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीनाथजी (सावंला जी) आमेर के प्रबन्धकर्ता , प्रबन्धकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीर जी है।

क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है: डॉ.प्रितीसुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। शनिवार को मुखर्जी चौक पंचायती नौहरा जैन स्थानक मे चातुमार्सार्थ विराजित प्रखंर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा ने प्रवचन धर्मसभा मे श्रध्दालूओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि क्रोधी मनुष्य कभी किसी का भी मित्र नहीं हो सकता है इंसान सारी अच्छाइयों को क्षण मात्र के क्रोध से अपनी प्रतिष्ठा को खो देता है और शैतान बन जाता है क्रोधी इंसान को अपने अवगुण नजर नही आते वह सामने वाले व्यक्ति के दोष को सही ठहराने कि कोशिश करता है। व्यक्ति जितना शांत रहेगा उतना ही जीवन मे सुख भोग सकता है और अपनी प्रतिष्ठा को बढ़ा सकता है। साध्वी संयमसुधा ने कहा कि क्रोध मूखर्ता से शुरू होता है और प्रश्चाताप पर खत्म होता है क्रोध ज्वालामुखी की तरह है। ज्वालामुखी वो आग है जिसकी चपेट आने वाली सारी वस्तुओ को जलाकर राख बना देती है उसकी भांति व्यक्ति अपने गुस्से और क्रोध मे बेकाबू होकर अपना ही सर्वनाश कर लेता है। जितना मनुष्य शांत रहेगा उतना ही परिवार और समाज में आदर सत्कार प्राप्त कर सकता है धर्मसभा मे अनेक बहनों ओर भाईयों ने तपस्या प्रत्याख्यान लिए । श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश चंद नागौरी महामंत्री रोशनलाल जैन,लोकाशाह जैन स्थानक के अध्यक्ष कांतिलाल जैन,राजेन्द्र खोखावत, लक्ष्मीलाल वीरवाल ओर महिला मंडल की अध्यक्षा ने तपस्वीयो ओर अतिथियों का स्वागत किया।

प्रवक्ता निलिष्का जैन

जे एस जी अनंता ने वितरित किए भोजन पैकेट्स

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जे एस जी अनंता ने जेएसजीआईएफ के सेवा पखवाड़े के तहत ''आओ हम सब मिलकर एक ऐसा नियम बनाए, जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाएं'' - 'आहार' कार्यक्रम के अन्तर्गत सेवा पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस अवसर पर साइफन चौराहा उदयपुर पर 250 फूड पैकेट्स मजदूर भाई-बहनों में वितरित किए गए। जे एस जी अनंता के सदस्यों ने इस नेक कार्य में भाग लिया। संस्थापक अध्यक्ष मोहन बोहरा ने कहा, ''किसी भी प्रकार की सेवा आत्म संतुष्टी का सर्वोत्तम मार्ग है।'' अध्यक्ष डॉ शिल्पा नाहर ने बताया, यह सेवा कार्य 'अनंता सेवा कोष' में सदस्यों द्वारा प्राप्त अंशदान में से किया गया, जो आगे भी अनवरत जारी रहेगा। सचिव राजेश सिसोदिया ने बताया कि प्रातःकालीन सेवा कार्य में मेवाड़ रीजन के सचिव महेश पोरवाल, कोषाध्यक्ष गजेंद्र जोधावत, जोन कॉर्डिनेटर सी एस बोलिया जे एस जी अनंता के राजकुमार बाबेल, विनोद पगारिया ,ललित कच्छारा, शशि जैन,आनंद ज्योति चोर्डिया, योगेश सेठ ,अरुण कटारिया ,अनिल सुनीता हिंगड, राजेश बाफना , वंदना बाबेल आदि उपस्थित थे ।

शांतिसागर धाम मधुवन में हुआ आयोजन

बून्दी की सीमा को अब 'मैना सुन्दरी' के नाम से जाना जायेगा-आर्यिका सुप्रकाशमति

मधुवन. शाबाश इंडिया

वर्तमान में युवा पीढ़ी धर्म से विमुख होती जा रही है, ओर इसी अरुचि का परिणाम है कि वो केवल अपनी लाइफ स्टाइल का स्टेन्डर्ड चाहते है वो अपनी छुट्टियां किसी हिल स्टेशन पर मनाना चाहते है, पर बून्दी के इस युवा दंपति ने उम्र के उसी पड़ाव पर आकर साश्वत सिद्धभूमि श्री सम्मेदशिखर में जो भक्ति पूर्ण आयोजन किया है वह आज के युवा वर्ग के लिए प्रेरणा है, मधुवन के शांतिसागर धाम में बून्दी के कोटिया परिवार द्वारा आयोजित श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान की पूर्णाहूंति के अवसर पर अपने उक्त उपदेश में सम्बोधित करते हुए गणिनी आर्यिका श्री सुप्रकाशमति माताजी ने कहा कि इतनी लघुवय में इतनी भावना और विवेक लेकर यह वृहद आयोजन करने वाली बून्दी की सीमा जैन को अब 'मैना सुन्दरी' के नाम से जाना जायेगा। यात्रा संयोजक राकेश जैन 'चपलमन' ने जानकारी देते हुए बताया कि बून्दी के कोटिया परिवार द्वारा 31 जुलाई को ट्रेन के माध्यम से 108 यात्रियों को जैन समाज के सर्वोच्च तीर्थ स्थल श्री सम्मेदशिखर जी यात्रा हेतु ले जाया गया। जंहा श्री शांतिसागर धाम में गणिनीप्रमुख श्री ज्ञान मति माताजी की मंगल प्रेरणा व गणिनी आर्यिका श्री सुप्रकाशमति माताजी के पावन सानिध्य एवं विधानाचार्य श्री वृषभसेन उपाध्ये, श्री प्रशांत उपाध्ये के निर्देशन में श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया गया। 2 अगस्त को घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ आयोजन का शुभारंभ हुआ, प्रतिदिन प्रातः जिनाभिषेक आदि के साथ 6 अगस्त तक कुल 2024 अर्घ्य श्रीफल सहित अर्पित किये गए।

3 अगस्त को मधुवन की सबसे ऊंची 31 फुट उतुंग सम्मेदशिखर से प्रथम निर्वाण प्राप्त श्री अजितनाथ भगवान की प्रतिमा पर महामस्तकाभिषेक किया गया। 6 अगस्त को चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शान्ति सागर जी महामुनिराज के 100वें आचार्य पदारोहण वर्ष में उपलक्ष्य में गुरुदेव एवं आर्यिका श्री सुप्रकाशमति माताजी का पूजन भक्तिभाव पूर्ण किया गया एवं विश्वशांति की भावना से हवन द्वारा पूर्णाहूंति दी गई, उसके पश्चात भगवान की पालकी यात्रा निकाली गई । 7-8 अगस्त को यात्रा संघ द्वारा पर्वतराज की 27 किमी की पैदल वन्दना की गई जिसमें प्रत्येक टोंक पर पूर्ण भक्ति के साथ चांदी के लोंग सहित अर्घ्य अर्पित किया गया। 9 अगस्त को यात्रा संघ ने वापसी के साथ सिद्ध वन्दना के इस उपक्रम को सम्पन्न किया ।

वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई द्वारा हरियाली तीज का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिण्ड। वैश्य महासम्मेलन (म.प्र.) जिला महिला इकाई भिण्ड द्वारा आयोजित सावन तीज का प्रोग्राम आयोजित किया गया।जिसमें गीता गुप्ता (संभागीय अध्यक्ष) के द्वारा तरह तरह के गेम खेले गए ,सभी ने सावन तीज पर मेंहदी लगाई , टिफिन पार्टी मना कर प्लास्टिक त्याग का संदेश दिया। व्रक्षारोपण कर हरियाली का संदेश दिया । सावन तीज पर सभी बहनों ने हरी साडी को पहनकर सभी ने सुहाग सामाग्री एक दुसरे को उपहारे में दी इस प्रोग्राम में अतिथी के रूप मे ओमप्रकाश अग्रवाल (जिलाध्यक्ष) कैलाश वर्मा (जिला प्रभारी) अनीता जैन महाविद्यालये प्राधान्याचार्य को सम्मानित किया। गीता के साथ सभी बहनें सीमा जैने (जिलाध्यक्ष) स्मर्ति गुप्ता (जिलाप्रभारी), ज्योति जैन (कार्यकार्णी अध्यक्ष) विनीता गुप्ता (नगराध्यक्ष) साधना गोयल (नगर प्रभारी) मालती गुप्ता, कामनी शिवहरे, ममता गुप्ता, ममता जैन, माधवी पौरबाल, मीना गुप्ता , रंजना गुप्ता , इंदू गुप्ता , प्रिती जैन, सीमा गुप्ता, समस्त महिलाए उपस्थित रही। कार्यक्रम को आंनद और मौज मस्ती से सम्पन्न किया।

श्री महावीर कॉलेज के आज युवक एवं युवतियों ने आकर मुनिश्री समत्वसागर जी महाराज के समक्ष जीवन जीने की कला सीखी

जयपुर. शाबाश इंडिया। कीर्ति नगर में चातुर्मास कर रहे युवामुनि श्री 108 समत्वसागर जी महाराज ससंघ आत्मविश्वास के साथ सदैव आगे बढ़ना होगा। श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित श्री महावीर कॉलेज के युवक एवं युवतियों ने आप मुनिश्री के समक्ष उपस्थित होकर जीवन जीने की कला सीखी। मुनिश्री ने कहाँ कि धर्म के साथ अपना जीवन जीओ धर्म के पास जो जुड़ा हुआ है वह सदैव सुखी रहेगा धर्म के साथ जुड़कर ही व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। भगवान महावीर के उपदेश तो प्राणी मात्र के लिए है। हर जीव के व्यक्तित्व विकास के लिए थे। जीओ और जीने दो कैसे जीवन जिया जा सकता है वह जैन धर्म सिखाता है। अपने धर्म, कुल और अपने परिवार की इज्जत सदैव रखना चाहिए। प्राणी मात्र के बारे में सोचता है प्रत्येक जैन मुनि जैन सिद्धान्त ही जीवन जीने का तरीका सीखाता है। अपने जीवन में सदैव मुस्कुराहट के साथ जीओ। किसी भी क्षेत्र में जाये, आत्मविश्वास के साथ कदम रखें। इससे पूर्व श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद् के मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, सदस्य मनीष बैद, अरुण काला डॉ. आशीष गुप्ता, नेहा गंगवाल, विनिता जैन ने दीप प्रज्जवलन कर सभा का शुभारम्भ किया। ओर समिति की से मनोज झांझरी, आशीष बैद, जगदीश जैन, शिप्रा बैद, अखिलेश गंगवाल, कैलाश चन्द बैद, सुरेन्द्र कुमार गोधा ने सभी का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि मुनिश्री 108 समत्वसागर जी महाराज ने एम.टेक की डिग्री प्राप्त कर गूगल कम्पनी अमेरिका से नौकरी छोड़कर वैराग्य धारण कर मुनि बन गए एवं आज वो पूरे देश में युवाओं में धार्मिक संस्कार पैदा कर मुख्य के मुख्य धर्मउपदेशक के रूप में संस्थापित हो गई और युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श बन कर धर्म की प्रभावना कर रहे है।

ॐ नमः शिवाय

एक शाम शिव भोले के नाम

(भक्ति संध्या एवं भगवान शंकर जी की अनुपम श्रृँगार झांकी)

स्व. श्रीमती प्रेम रायजादा एवं स्व. श्री (प्रो.) महेन्द्र रायजादा की पावन पुण्य स्मृति में

दिनांक - 12.8.2024, सोमवार समय - सांय 7:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक

स्थान - शिव मन्दिर सैक्टर 4-5, जवाहर नगर, जयपुर

भजन गायक

श्रीमती मंजू शर्मा | श्रीमती दीपशिखा जैन | श्री दीपक माथुर | डॉ. गौरव जैन | श्री संजय रायजादा

(आकाशवाणी, दूरदर्शन, टी सीरीज, वीणा म्युजिक, एवं संस्कार चैनल के अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार)

निवेदन आप सभी सपरिवार व मित्रों सहित सादर आंमत्रित है।

निवेदक :- शिव मन्दिर विकास समिति, सेक्टर 4-5, रामलीला मैदान, जवाहर नगर, जयपुर

सम्पर्क सूत्र :- पं. कैलाश जी देशवाल मो.9829283808, फोन 2655420

प्रतिदिन प्रभात फेरी एवं हरीनाम संकीर्तन प्रात: 6 बजे से 7 बजे तक

कृपया तन, मन, धन से सहयोग प्रदान करें

जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन

पं. विजैलाल जी पांड्या की नसियां में हुआ कार्यक्रम

एक वृक्ष अपनी मां के नाम, एक वृक्ष अपने देश के नाम

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर ने शनिवार को 22वे तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के जन्म एवम तप कल्याणक के अवसर पर पंडित विजै लाल जी पांड्या की नसियां, आमेर रोड में प्रबंध समिति के साथ मिलकर अभिषेक, शांतिधारा, पूजापाठ किया गया। इस अवसर पर नसियां परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत अशोक के वृक्ष लगाकर पर्यावरण रक्षण का आव्हान किया। आज विश्व जल, वायु, ध्वनि व मृदा प्रदूषण से ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से जूझ रहा है।इसके निराकरण हेतु वृक्षारोपण ही एकमात्र सहज और सरल उपाय है ।हमारे देश में भी वर्तमान में 1200 करोड़ वृक्ष और लगाने की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देश के अनुसार 33 प्रतिशत भूभाग पर वृक्षों की आवश्यकता है। देश में प्रति व्यक्ति मात्र 28 पेड़ है एवं 22 प्रतिशत भूभाग आवृत क्षेत्र है जबकि प्रति व्यक्ति औसतन 37 वृक्षों की आवश्यकता है ।इस वर्ष सरकार द्वारा भी वृक्षारोपण हेतु सघन अभियान चलाया जा रहा है। जैन समाज की विभिन्न संस्थाएं इस कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर रही है। सभी कार्यक्रमों में भारतवर्षीय दिगंबर जैन(धर्म संरक्षिणी) महासभा राजस्थान के अध्यक्ष कमलबाबू - कला , शिखर चंद - कुसुम कासलीवाल साईवाड़ वाले, प्रकाश - मनोरमा चांदवाड, हीराचंद - आशा गर्ग, सुनील - माया संगही, सुधीर - पुष्पा बिलाला, संजीव- नीलम, मनोज - स्मिता, सुनील - सुशीला काला एवं जैन बैंकर्स फोरम से पूर्व चेयरमैन आरएमजीबी ज्ञानेंद्र जैन, सुकेश काला, मुकेश पांड्या, भागचंद जैन मित्रपुरा आदि ने सक्रिय भाग लिया। भारी बरसात के उपरांत भी समाज बंधुओ ने इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। वृक्षारोपण के साथ इनकी देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

नेमिनाथ भगवान जन्म जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

चौकड़ी मोदिखाना स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर लश्कर में नेमिनाथ भगवान जन्म जयंती व तप महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ ।सुशील कासलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर प्रमुख मार्गो से श्री जी की शोभा यात्रा निकाली गई तत्पश्चात अभिषेक, पूजन की गई । इस अवसर पर रमेश साह, युतिश पाटनी, कमल काला , श्रीमती मैना देवी साह, मधु हाडा, इंदिरा बज, कमल बज, महावीर गोदिका, शैलेंद्र शाह आदि अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) में मनाया नेमिनाथ भगवान का जन्म - तप कल्याणक महोत्सव

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी जिला - टोंक (राज.) में चातुर्मासरत प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सान्निध्य में भगवान श्री नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । राजेश सांवलिया वाले परिवार ने श्री नेमिनाथ विधान करने का अवसर प्राप्त किया। मंडल जी पर 80 अर्घ्य समर्पित किया गया ।बड़े ही भक्तिभाव से आनंदित होकर सभी ने यह महोत्सव मनाया। इस अवसर पर टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल ने पूज्य गुरु माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया ।पूज्य गुरु माँ ने उपवास कर अपनी साधना को उत्कृष्टता प्रदान की। माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - जन्म तो सभी लेते हैं पर उसमें कुछ ही लोग हैं जो इसे सार्थक कर पाते हैं ।भगवान ने तो अपना कल्याण कर लिया अब वो संसार में परिभ्रमण नहीं करेंगे इसलिए आज हम उनके कल्याणक मना रहे हैं जिससे पुण्य का संचय कर हम भी अपना कल्याण कर सके। आज 11 अगस्त को श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जायेगा।

पेड़ लगाना व देखभाल करना पुण्य कामः डॉ समित शर्मा

राजस्थान जैन युवा महासभा ने बापूनगर में किया वृक्षारोपण। पेड़ लगाओ-देश बचाओ के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान में लगाये पौधे। राजस्थान जैन युवा महासभा का 15000 वृक्षारोपण के लक्ष्य के तहत हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन युवा महासभा के तत्वावधान में जवाहर नगर मालवीय नगर संभाग व बापूनगर जोन के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने हेतु युवा महासभा के 15000 वृक्षारोपण अभियान के तहत बापूनगर स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में एक पेड मां के नाम अभियान के अन्तर्गत वृक्ष लगाओ देश बचाओ के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर विभिन्न किस्मों के फलदार व छायादार पेड लगाये गये। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आयोजन के मुख्य अतिथि पीएचइडी विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि समाचार जगत के संपादक युवा समाजसेवी शैलेन्द्र गोधा थे। मुख्य संयोजक एवं युवा महासभा के जयपुर कार्याध्यक्ष भारत भूषण जैन ने बताया कि स्कूल के बाहर काफी संख्या में छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया गया। इससे पूर्व अतिथियो द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। युवा महासभा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा,जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया,कार्याध्यक्ष भारतभूषण जैन, कमल सरावगी, राजेश बड़जात्या,जिला महामंत्री सुभाष बज,सम्भाग महामंत्री विनोद जैन, बापूनगर जोन अध्यक्ष रवि सेठी ने अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया । विद्यालय परिवार की ओर से स्कूल की प्राचार्य वसुधा शर्मा ने पुष्प गुच्छ भेट कर दोनों अतिथियो का स्वागत व सम्मान किया। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने स्वागत उदबोधन दिया। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि युवा महासभा द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए पूरे वषार्काल में अपने अधीनस्थ 5 सम्भागो एवं 15 जोनो के माध्यम से 15000 पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। उसी कड़ी के तीसरे चरण में यह आयोजन किया गया है। मुख्य अतिथि डॉ समित शर्मा ने अपने उदबोधन में बच्चों को कहानी सुनाते हुए कम से कम 10 पौधे एक बच्चे को लगाने का आव्हान किया। श्री शर्मा ने युवा महासभा द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाये जा रहे वृक्षारोपण अभियान की प्रशंसा करते हुए पेड लगाने एवं उनकी देखभाल के कार्य को पुण्य कर्म बताया। स्कूल की प्राचार्या वसुधा शर्मा ने स्कूल की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए डॉ शर्मा के उदबोधन अनुसार प्रत्येक बच्चे को तराशकर देश हित के लिए अच्छा इंसान बनाने के महायज्ञ में स्कूल प्रबंधन द्वारा पूरे सहयोग का विश्वास दिलाया। जयपुर कार्याध्यक्ष भारतभूषण जैन एवं जिला महामंत्री सुभाष बज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बापूनगर जोन अध्यक्ष रवि सेठी ने आभार प्रकट करते हुए बताया कि 70 वर्ष पूर्व इस विद्यालय की भूमि उनके दादाजी स्व. भंवर लाल सेठी द्वारा दान दी गई थी। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक राकेश गोधा के अनुसार विद्यालय प्रांगण में बच्चों और अध्यापकों ने युवा महासभा की टीम का सहयोग करते हुए 4 से 6 फिट के पौधे लगाए। इस मौके पर बच्चों, अध्यापकों और महासभा के कार्यकताओं ने पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत पेड़ों की देखभाल करने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि युवा महासभा की ओर से 15000 वृक्षारोपण के अभियान के तहत सभी 15 जोनो में एक -एक हजार पौधे लगाए जाएंगे तथा उनकी देखभाल का जिम्मा लिया जाएगा। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के मनीष बैद,मनोज झांझरी, पूर्व पार्षद संजीव शर्मा, श्वेता शर्मा, बापूनगर जोन महामंत्री मनोज जैन, ममता शाह सहित बडी संख्या में समाजसेवी शामिल हुए।

चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर मुहाना में होगा कल्याण मंदिर विधान

रविवार 11अगस्त को भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक पर प्रातः 8 बजे से होगा पूजन विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक महोत्सव पर श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पारस विहार मोहनपुरा , मुहाना फल सब्जी मंडी के पास पर रविवार , 11 अगस्त को प्रातः 8 बजे से अभिषेक , शांतिधारा, निर्वाण लाडू समर्पण तथा प्रसिद्ध गायक श्री अशोक गंगवाल एवम श्रीमती समता गोदिका द्वारा साजो संगीत से भव्य कल्याण मंदिर विधान पूजन आयोजित की जायेगा। मंदिर समिति के पवन गोदिका ने बताया कि प्रातः 8 बजे से अभिषेक, शांतिधारा तथा मूल वेदी पर मोक्ष कल्याणक लड्डु समर्पण किया जायेगा। प्रातः 9 बजे से साजो संगीत से विधान पूजन प्रारंभ होगी। समन्वयक राकेश गोदिका ने बताया कि चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर पारस विहार के लिए विजय पथ मानसरोवर से मुहाना मंडी रोड केसर चौराहा होते हुए मुहाना फल सब्जी मंडी में आकर ज्योति बा फुले की मूर्ति के पीछे वाली रोड से आधा किलोमीटर चल कर सीधे पारस विहार स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा जा सकता है।

तीर्थंकर पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर

भव्य कल्याण मंदिर विधान

प्रातः 8 बजे अभिषेक शांतिधारा, निर्वाण लाडू, प्रातः 9 बजे विधान पूजन

रविवार, 11 अगस्त 2024
प्रातः 8 बजे से

स्थानः चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर
पारस विहार, मोहनपुरा मुहाना

सानिध्यः प्रसिद्ध गायक श्री अशोक गंगवाल
एवं श्रीमती समता गोदिका

सम्पर्क सूत्रः पवन जैन गोदिका, 9314939330
राकेश गोदिका, 9414078380

समन्वयक
बी.एल. गोदिका, वी.के. गोदिका, सुभाष गोदिका, पवन गोदिका, अनिल गोदिका, दिनेश गोदिका, राकेश गोदिका, राजकुमार गोदिका, दिलिप गोदिका, अरुण काला, सुशील गोदिका, रामचन्द्र गोदिका, प्रदीप गोदिका व सुदेश गोदिका

संयोजक
संतोष जैन सडूवाला, धर्मेंद्र गोदिका, विरेन्द्र कुमार सेठी, अभिषेक गोदिका, प्रतीक गोदिका, अनुज गोदिका, सुनील जैन, राजेंद्र बाकलीवाल, मुकेश जैन, विमल जैन, सोभाग मल जैन, राकेश संघी, अशोक सेठी

आयोजकः चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, मोहनपुरा मुहाना टर्मिनल मार्केट, मुहाना मंडी, मानसरोवर, जयपुर